

आहारी पुं. (तत्.) जैन मतानुसार आत्मा के पांच शरीरों में से एक वि. (तत्.) 1. भक्षक, खाने वाला 2. स्वीकार करने वाला।

आहार्य वि. (तत्.) 1. खाने योग्य 2. ग्रहण करने योग्य 3. कृत्रिम 4. पूजनीय पुं. (तत्.) नाट्य. 1. चार प्रकार के अनुभावों में चौथा 2. नायक और नायिका का परस्पर एक-दूसरे का वेश धारण करना 3. अभिनय के चार प्रकारों में से एक जिससे केवल वेश आदि से अभिनय संपन्न किया जाता है।

आहार्यानुभाव पुं. (तत्.) 1. मनोभावों के अनुसार कृत्रिम वेशभूषा धारण करना 2. अनुभाव के चार प्रकारों में से एक, अन्य तीन हैं- 1. आंगिक अनुभाव 2. वाचिक अनुभाव 3. सात्विक अनुभाव।

आहाव पुं. (तत्.) 1. ललकार 2. अग्नि 3. युद्ध 4. कुएँ के पास बनी पानी की हौदी जिसमें पशु-पक्षी आकर पानी पीते हैं।

आहिंडन पुं. (तत्.) बेकार, इधर-उधर घूमना, अवहगर्दी।

आहि अ.क्रि. (देश.) 1. है, हिंदी की मुख्य सहायक क्रिया 2. स्त्री (देश.) आह, उदासी प्रकट करने का शब्द।

आहिक पुं. (तत्.) 1. केतु 2. पुच्छल तारा 3. पाणिनि।

आहित पुं. (तत्.) पंद्रह प्रकार के दासों में से एक जो अपने स्वामी से इकट्ठा धन लेकर उसकी सेवा में रह कर उसे चुकाता है वि. अमानत या बंधक रखा हुआ।

आहितक पुं. (तत्.) गिरवी रखा हुआ माल।

आहिताग्नि स्त्री (तत्.) 1. घर में अनुष्ठान हेतु अग्नि प्रदीप्त करने वाला, अग्निहोत्री 2. हवन, यज्ञ।

आहिस्तगी स्त्री. (फा.) मंदगति से गमन की प्रवृत्ति, धीरे-धीरे चलने की नज़ाकत, धीमापन।

आहिस्ता क्रि.वि. (फा.) धीरे से, धीरे-धीरे, मंथर गति से, सुस्ता-सुस्ता कर।

आहिस्ता-आहिस्ता क्रि.वि. (फा.) शनैः-शनैः, धीमे-धीमे, आराम-आराम से।

आहुत पुं. (तत्.) 1. अतिथि यज्ञ, अतिथि सत्कार 2. भूतयज्ञ वि. हवन

आहुति स्त्री. (तत्.) 1. होम, हवन 2. मंत्र पढ़कर देवता के लिए द्रव्य को अग्नि में डालना प्रयो. अग्नि में आहुति केवल एक ही व्यक्ति दे रहा था, बाकी लोग जप में निमग्न थे- चारु, चंद्रलेख, ह.प्र.द्विवेदी 3. बलि, कुर्बानी 4. चुनौती, ललकार।

आहू पुं. (फा.) हिरन, मृग।

आहूत वि. (तत्.) निमंत्रित, बुलाया हुआ, आह्वान किया हुआ।

आहूति स्त्री. (तत्.) आह्वान, पुकार।

आहेय वि. (तत्.) अहि या सर्प संबंधी।

आह्न वि. (तत्.) 1. प्रतिदिन 2. दैनिक, रोज का 3. काल विशेष जैसे- पूर्वाह्न, अपराह्न।

आह्निक वि. (तत्.) 1. दिन का, दैनिक 2. दिहाड़ी। पुं. (तत्.) 1. नित्य कर्म 2. दिन का काम 3. किसी पुस्तक को पढ़ने के लिए एक दिन के लिए निर्धारित सामग्री 4. रोज की मजदूरी।

आह्लाद पुं. (तत्.) आनंद, हर्ष।

आह्लादक वि. (तत्.) आनंददायक, खुशी देनेवाला।

आह्लादन पुं. (तत्.) हर्ष या आनंद प्रदान करने वाला।

आह्लादित वि. (तत्.) आनंदित, प्रसन्न, खुश।

आह्लादी वि. (तत्.) विनोदपूर्ण, हर्षयुक्त, हर्षप्रद, आनंद देनेवाला।

आह्वान पुं. (तत्.) 1. बुलाना, पुकार 2. बुलावा 3. तलबनामा 4. यज्ञ में मंत्र द्वारा देवताओं को बुलाना।

आह्वायक वि. (तत्.) आह्वान करने वाला, पुं. (तत्.) संदेशवाहक।

आह्व्य पुं. (तत्.) 1. नाम, अभिधान 2. मुर्गों आदि पशु-पक्षियों की लड़ाई, जिस में शर्त भी लगाई जाती हैं, मनोरंजन के लिए बाज़ी लगा कर होने वाली पशु-पक्षियों की लड़ाई।